Seventeenth Loksabha

p>

Title: Need to start train service from Malajkhand to Chirai Dogri in Balaghat Parliamentary Constituency, Madhya Pradesh.

**डॉ. ढालसिंह बिसेन (बालाघाट):** महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से आदरणीय रेल मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ कि यह जो बालाघाट जिला है, यह कान्हा के नाम से जाना जाता है, यहाँ कान्हा नेशनल पार्क है । यहाँ पर एचसीएल की कॉपर की बहुत बड़ी खदान है ।

महोदय, यहाँ कान्हा नेशनल पार्क है, जहाँ हजारों यात्री आते हैं, लेकिन यहाँ आवागमन के लिए रेल मार्ग का साधन नहीं है । यहाँ एचसीएल का कारखाना है । यहाँ से ढुलाई का कार्य केवल सड़क के माध्यम से होता है । यह बड़ा ही ठंडा स्थान है, अंग्रेजों के समय से यह स्थान प्रसिद्ध है । मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि यदि मलाजखंड, जहाँ पर कॉपर प्रोजेक्ट है, मलाजखंड से चिरई डोंगरी, जो मंडला और नैनपुर के बीच में है, यह रेल मार्ग मुश्किल से 50-60 किलोमीटर का है और इसके बीच में कोई वन भी नहीं है । यदि यह मार्ग बनता है तो जहाँ एक तरफ रेलवे को माल ढुलाई से आर्थिक लाभ मिलेगा, वहीं हजारों यात्रियों को आवागमन की सुविधा होगी और वहाँ हजारों यात्रियों को आने का अवसर मिलेगा । यह आदिवासी, नक्सलवादी क्षेत्र है । ऐसा होने से वहाँ के गरीब लोगों को काम भी मिलेगा । अभी जो भी यात्री आते हैं, वे रायपुर, जबलपुर या नागपुर से टैक्सी करके आते हैं या फिर हवाई मार्ग से आते हैं । यदि वहाँ पर रेल जाने लगेगी तो वहाँ के स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा । वहाँ के छोटे-छोटे लोगों को टैक्सी चलाने आदि का रोजगार मिलेगा, क्योंकि वह रेल मार्ग नेशनल पार्क के मुख्य गेट से होकर जाएगा । इसका बहुत बड़ा लाभ बालाघाट जिले को मिलेगा । आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।